नारदर्न रेलवेमेन्स यूनियन

केन्द्रीय कार्यालय

12 चैम्सफोर्ड रोड , नई दिल्ली

एन आर एम यू के लखनऊ में 30 अगस्त से 1 सितम्बर 2010 तक सम्पन्न 63वें वार्षिक अधिवेशन का कार्यवृत्त

यूनियन के 63 वे वार्षिक अधिवेशन से पहले दिन दिनांक 30 अगस्त 2010 को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जोनल युवा सम्मेलन एवं एन आर एम यू महिला कार्यकारीणी की बैठक का आयोजन किया गया , जिसमें भाग लेने के लिए पूरे उत्तर रेलवे से सैकड़ों की संख्या में युवा रेल कर्मचारी एवं महिला रेलकर्मी 30 अगस्त की सुबह लखनऊ पहुंचे, जिनका नारदर्न रेलवेमेन्स यूनियन के कारखाना मंडल एवं लखनऊ मंडल के साथियों द्वारा चारबाग रेलवे स्टेशन पर गर्मजोशी से भावपूर्ण स्वागत किया गया।

युवा सम्मेलन

30 अगस्त 2010 को लखनऊ के चारबाग स्थित आरक्षण केन्द्र में युवा सम्मेलन प्रातः 11.00 बजे प्रारम्भ हुआ , जिसमें उत्तर रेलवे के विभिन्न मंडलों एवं शाखाओं से लगभग 1 हजार युवाओं ने जोश –खरोश के साथ शिरकत की। इस सम्मेलन की अध्यक्षता रायबरेली के युवा शाखा सचिव श्री सुधीर तिवारी ने की तथा मंच– संचालन श्री संजीव मिश्रा द्वारा किया गया।

ए आई आर एफ तथा एन आर एम यू के महामंत्री कामरेड शिव गोपाल मिश्र ने युवा सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवा–शक्ति ही वास्तव में यूनियन की धुरी है और संगठन का भविष्य इनके ही कंधों पर निर्भर है। उन्होंने युवाओं से जोर देकर कहा कि वह यूनियन की शाखाओं के साथ मिलकर कंधे से कंधे मिलाकर कार्य करें और केवल सामूहिक सौदेबाजी से सम्बन्धित क्रिया–कलापों में ही नहीं वरन् अन्य रचनात्मक कार्यों में भी अपना अमूल्य योगदान देकर संगठन को और अधिक मजबूती देने में सहयोग करें। महामंत्री ने आगे कहा कि चुंकि भारतीय रेलों में असंगठित (ठेकेदार के) कर्मचारियों की संख्या में दिन–प्रतिदिन वृद्धि होती जा रही है अत : युवा शक्ति इन श्रमिकों को संगठित करने की दिशा में नई पहल कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को आगे लाने के लिए अगले तीन महीनों में शाखा से केन्द्र स्तर तक युवा कार्यकारिणी का गठन कर लिया जायेगा। कामरेड मिश्र ने कहा कि सम्मेलन में बड़ी तादात में युवाओं की भागीदारी से साफ हो गया है कि उनमें जोश की कमी नहीं है।

केन्द्रीय अध्यक्ष कामरेड हरभजन सिंह सिद्धू ने इस अवसर पर सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवाओं को मजदूरों की आवाज बनना चाहिये, और इसके लिए यूनियन में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने कहा कि एन आर एम यू सभी वर्गों एवं जातियों की संस्था है और इसमें सबकी सहयोग की आवश्यकता है। जो युवा, संस्था के साथ कार्य करने को इच्छुक हैं , वह अपनी शाखाओं के साथ मिलकर संगठन को मजबूत बनाने का कार्य करें। युवा सम्मेलन में दिल्ली मंडल से आये श्री हरिओम, विकास माथुर , मुरादाबाद से कुंवर मोहम्मद सुहेल खालिद, मसकूर आलम, लखनऊ के लोको कारखाना से कमल पाण्डेय , इलेक्ट्रिक से मनोज मिश्रा , कैरिज एण्ड वैगन से के.जी अवस्थी , अशोक सिंह , लेखा मंडल के कैश आफिस लखनऊ से राजीव पाण्डेय तथा हेडक्वार्टर मंडल से महेन्द्र मिश्रा ने अपने–अपने विचार रखते हुए युवाओं को संगठन में आगे लाने पर बल दिया। श्री आलोक त्रिपाठी ने इस अवसर पर आलेख प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर हिन्द मजदूर सभा की महिला नेता सुश्री चम्पा वर्मा ने भी अपने तेजस्वी भाषण से युवाओं को प्रोत्साहित किया तथा कहा कि युवाओं के सहयोग के बगैर रेलवे की प्रगति असंभव है।

महिला सम्मेलन

नारदर्न रेलवे मेन्स यूनियन का महिला सम्मेलन दिनांक 30 अगस्त 2010 को सायं 3 बजे यूरोपियन इन्स्टीट्यूट चारबाग लखनऊ में आयोजित किया गया। इस अवसर पर एन आर एम यू की महिला विंग की एकत्रित भीड ने दिखा दिया कि महिला शक्ति सबसे बड़ी शक्ति है और महिलायें हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने में सक्षम है। इस सम्मेलन की अध्यक्षता उत्तर रेलवे की चेयरपर्सन श्रीमती सरोज दीक्षित ने की तथा संचालन सुश्री शैलेश शुक्ला ने करते हुए वार्षिक रिपोर्ट पढ़ी। अपनी रिपोर्ट के साथ प्रत्येक स्तर पर महिलाओं के लिए दो पद आरक्षित करने की मांग को दोहराया।

इस अवसर पर महिला सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए ए आई आर एफ तथा एन आर एम यू के महासचिव कामरेड शिव गोपाल मिश्र ने कहा कि रेल सेवाओं को बेहतर बनाने में महिलाओं का विशेष योगदान है और महिला प्रकोष्ठों को शाखा स्तर से लेकर मंडल व केन्द्रीय स्तर तक और मजबूत करने पर उन्होंने विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि फेडरेशन तथा एन आर एम यू के दबाव पर ही छठे आयोग द्वारा आपकी मांगों को विशेष स्थान दिया गया जिससे बढ़ा हुआ मातृत्व अवकाश और दो वर्ष की अवधि का शिशु देखभाल अवकाश का लाभ मिला। उन्होने कहा कि आने वाले समय में चाइल्ड केयर लीव के लिए निजी LAP पहले समाप्त करने की शर्त भी समाप्त हो जायेगी। कामरेड मिश्रा ने कहा कि हमें विश्वास है कि आने वाले समय में महिला शक्ति ए आई आर एफ तथा यूनियन को और भी मजबूत बनाने का कार्य करेगी।

महिला सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए श्री हरभजन सिंह सिद्धू अध्यक्ष एन आर एम यू ने महिलाओं के सशक्तिकरण पर बल देते हुए, उन्हें हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने पर बल दिया । कामरेड सिद्धू ने कहा कि महिला संगठन स्व. चौबे जी की प्रेरणा व सपना है और हम उसे पूरा करने तथा अधिक मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हैं । उन्होंने हर स्तर पर यूनियन में महिलाओं के लिए स्थान सुनिश्चित कराने, महिला संगठन को आर्थिक बजट दिलाने के मामले में कहा कि इसे शीघ्र ही अमली जामा पहनाया जायेगा। इसके साथ ही महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर उन्होंने व्यापक चर्चा की ।

इस अवसर पर उपस्थित दक्षिण रेलवे मजदूर यूनियन के महामंत्री श्री एन कन्हैया व अध्यक्ष श्री राजा श्रीधर ने महिलाओं को शुभकामनायें देते हुए आयोजकों को हार्दिक बधाई दी।

मंडलमंत्री लखनऊ कामरेड आर. के पाण्डेय ने कहा कि यूनियन उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर समय तत्पर है। इस अवसर पर हिन्द मजदूर सभा की महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय नेता श्रीमती चम्पा वर्मा ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा कि युवाओं व महिलाओं के सहयोग के बगैर संगठन अधूरा है और उन्होंने महिलाओं को उनकी जिम्मेदारी के प्रति आगाह किया। श्रीमती जया अग्रवाल ने ए आई आर एफ तथा एन आर एम यू के झण्डे की गरिमा के बारे में बताते हुए, इसे हमेशा बुलन्द रखने के लिए महिलाओं का आह्वान किया। सुश्री हरजीत कौर ने लखनऊ को ए आई आर एफ का तीर्थ स्थल बताते हुए अपना व्याख्यान दिया तथा उन्हानें संगठन को और मजबूत बनाने की आवश्यकता जतायी। सुश्री अलका लिलोरी ने अपने भाषण में महिला एकता पर बल देते हुए, इसे बनाये रखने और एक दूसरे का सम्मान करने की बात कही। इस अवसर पर सम्मेलन में सुश्री तजिन्दर कौर, पुष्पा गुप्ता, हरजीत कौर, सुनंदा, सोनिया हसीजा आदि ने भी अपने–अपने विचार रखते हुए यूनियन द्वारा की गई उपलब्धियों का वर्णन किया। कार्यक्रम को श्री ए के यादव मंडलमंत्री कारखाना, सहित एन आर एम यू के अन्य पदाधिकारियों ने भी सम्बोधित किया। नारदर्न रेलवेमेन्स यूनियन की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा श्रीमती सरोज दीक्षित ने कहा कि महिलाओं को कार्यक्षेत्र में बेहतर अवसर व सुविधायें दिलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी। उन्होंने इस अवसर पर पधारे सभी केन्द्रीय पदाधिकारियों, विशिष्ठ अतिथियों तथा सममेलन में उत्तर रेलवे के कोने–कोने से आई हुई महिलाओं का आभार प्रकट करते हुए उनसे तमाम मतभेदों को बुलाकर एन आर एम यू एवं ए आई आर एफ के झण्डे तले एकजुट रहने की अपील की।

63 वॉ वार्षिक अधिवेशन

पूर्व प्रसारित एवं प्रचारित अधिसूचनानुसार नारदर्न रेलवेमेन्स यूनियन के 63 वें वार्षिक अधिवेशन में भाग लेने के लिए उत्तर रेलवे के कोने–कोने से भारी संख्या में यूनियन के पदाधिकारी, सक्रिय कार्यकर्ता एवं अन्य सदस्य विभिन्न गाड़ियों में लगे विशेष कोचों से 31 अगस्त की सुबह लखनऊ पहुंचे। इन सभी की अगवानी , सम्मेलन के आयोजनकर्ता कारखाना मंडल के साथ–साथ लखनऊ मंडल के कार्यकर्ताओं द्वारा गर्मजोशी से की गई। सभी आगुन्तकों में भारी जोश दिखाई पड़ रहा था और वातावरण यूनियन और केन्द्रीय नेताओं के गगनभेदी नारों से गुंजायमान था।

खुले सत्र से पूर्व नारदर्न रेलवेमेन्स यूनियन की कार्यकारिणी की बैठक चारबाग स्थित आरक्षण केन्द्र में आयोजित हुई जिसकी अध्यक्षता यूनियन के अध्यक्ष कामरेड हरभजन सिंह सिद्धू द्वारा की गई । कार्यकारिणी की बैठक में 80 सदस्य उपस्थित थे। अध्यक्ष महोदय ने यूनियन के महामंत्री तथा उपस्थित कार्यकारिणी के सदस्यों का स्वागत करते हुए अधिवेशन के कार्यक्रम की रूपरेखा से सबको अवगत कराया तथा विभिन्न गंभीर मुद्दों की ओर सभी का ध्यान आकर्षित किया। इस अवसर पर यूनियन के महामंत्री कामरेड शिव गोपाल मिश्र ने भी सभी का स्वागत करते हुए विभिन्न विषयों पर अपने संक्षिप्त विचार प्रस्तुत किये। महामंत्री के उद्बोधन के पूर्व पिछली कार्यकारिणी की बैठक के पूर्व वितरित कार्यवृत्त को सर्व–सम्मति से पारित घोषित किया गया। हिन्द मजदूर सभा को भवन निर्माण के लिए यूनियन द्वारा 10 लाख रुपये देने की स्वीकृति भी कार्यकारिणी सदस्यों के सामने रखा गया। कार्यकारिणी की बैठक में अधिवेशन की विस्तृत कार्यक्रम की रूप रेखा को अंतिम रूप दिये जाने के पश्चात संपन्न हुई।

अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर स्वास्थ्य खराब होने के बावजूद नारदर्न रेलवेमेन्स यूनियन के 63वें अधिवेशन के खुले सत्र का उदघाटन करने लखनऊ पधारे ए. आई आर एफ के अध्यक्ष कामरेड उमरावमल पुरोहित का लखनऊ आगमन पर हजारों यूनियन के कार्यकर्ताओं द्वारा भावपूर्ण स्वागत किया गया।

अपरान्ह दो बजे हजारों की संख्या में यूनियन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता झण्डे एवं बैनरों के साथ, आलमबाग स्थित , कामरेड टी एन बाजपेई (पूर्व अध्यक्ष एन आर एम यू) की प्रतिमा पर एकत्रित हुए, जहाँ स्व. टी एन बाजपेई अमर रहे, का. जे पी चौबे अमर रहे और यूनियन के जयघोष से सारा वातावरण गुंज उठा। तत्पश्चात् हजारों यूनियन के प्रतिनिधियों का एक लम्बा जुलूस आलमबाग थाने से मवैया ,चारबाग स्टेशन होता हुआ उत्तर रेलवे स्टेडियम में खुले अधिवेशन स्थल (टी एन बाजपेई नगर) में इकट्ठा हुआ।

उदघाटन स्थल पर पंडाल एवं मंच को अत्यधिक भव्य रुप मे सजाया गया था और चारो तरफ लाल झण्डे एवं बैनर इसकी गरीमा में चार चादँ लगा रहे थे। सांय 4 बजे मंच पर मुख्य अतिथि एवं उदघाटनकर्ता कामरेड उमरावमल पुरोहित , अध्यक्ष ए आई आर एफ, यूनियन के अध्यक्ष कामरेड हरभजन सिंह सिद्धू , ए आई आर एफ एवं एन आर एम यू के महामंत्री कामरेड शिव गोपाल मिश्र सहित केन्द्रीय पदाधिकारी ,मंडल अध्यक्षों एवं विशिष्ठ अतिथियों के पधारने पर चारबाग रेलवे स्टेडियम मे खचाखच भरे पंडाल में उपस्थित रेल कर्मियों द्वारा गगनभेदी नारों से उनका स्वागत किया गया।

अभूतपूर्व रूप से सम्पूर्ण स्टेडियम में खचाखच भरे हजारों रेल कर्मचारियों के बीच बने वार्षिक अधिवेशन के खुले अधिवेशन मंच पर यूनियन के अध्यक्ष , महामंत्री , मुख्य अतिथि , विशिष्ठ अतिथि के भव्य स्वागत एवं स्मृति चिन्ह भेंट किये जाने के साथ ही, क्षेत्रीय विधायक एवं समस्त केन्द्रीय पदाधिकारियों , मण्डल अध्यक्ष एवं मंडल मंत्रियों का पुष्प हार एवं स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कारखाना मण्डल के साथियों ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर कारखाना मंडल के संरक्षक व वयोवृद्ध नेता कामरेड सियाराम वाजपेई भी उपस्थित थे।

कारखाना मंडल के मण्डल मंत्री श्री ए के यादव, ने औपचारिक स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि , विशिष्ठ अतिथि के साथ ही खुले अधिवेशन में उत्तर रेलवे के कोने–कोने से आये प्रतिनिधियों एवं एकत्रित रेल कर्मियों की विशाल संख्या का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया एवं एन.आर.एम.यू के झण्डे को और बुलंदियों तक पहुँचाने का संकल्प व्यक्त किया ।

यूनियन के अध्यक्ष साथी हरभजन सिंह सिद्धू ने मुख्य अतिथि , विशिष्ठ अतिथि सहित मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों , केन्द्रीय एवं मण्डल पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए मुख्य अतिथि साथी उमराव मल पुरोहित के व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद जोशपूर्ण मुद्रा में उनके आगमन तथा महाप्रबन्धक उत्तर रेलवे के इस अधिवेशन में आतिथ्य स्वीकार करने हेतु आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की ।

उन्होने अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए कहा कि कि श्रमिकों की जागरूकता ही श्रमिक संगठनों की रीढ़ होती है। शाखा स्तर की मजबूत नीव पर ही किसी यूनियन का ढांचा बनता है। उन्होंने रेल कर्मियों को आह्वान किया कि एक जुटता के बल पर ही आपके अधिकारों की रक्षा हो सकता है। केन्द्रीय अध्यक्ष ने कहा कि मौजूदा दौर में रेलकर्मियों के समक्ष कई चुनौतियाँ हैं अत: संघर्ष के लिए रेलकर्मी तैयार रहें तभी उनका हल निकल पायेगा। कामरेड सिद्धू ने कहा कि रेल कर्मचारियों के सहयोग के कारण ही नारदर्न रेलवेमेन्स यूनियन ने गुप्त मतदान में पहले नम्बर पर पहुँचकर अपना वर्चस्व कायम किया है। उन्होंने संरक्षा कोटि के रिक्त पदों को न भरे जाने , कार्यों को ठेकेदारों द्वारा कराये जाने , नई गाड़ियों के चलने के बावजूद पदों का सृजन न किये जाने तथा पिछले दरवाजे से निजीकरण की चल रही साजिश की घोर निन्दा करते हुए इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि पदों का ना भरा जाना , सरासर रेलवे की संरक्षा के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने कहा रेलगाड़ियां तो चला दी जाती हैं , परन्तु उसके साथ पदों का सृजन नहीं किया जाता है , जिससे दुर्घटना घटती है और सारी जिम्मेदारी रेल कर्मचारी के ऊपर आती है। इसलिए प्रशासन को नई गाड़ियां चलाने से पूर्व पदों का सृजन करना चाहिये। केन्द्रीय अध्यक्ष ने कहा कि रेलवे कालोनियों के रख–रखाव के लिए कोई कदम नहीं उठाये जा रहे हैं। कालोनियों का बेहतर रख–रखाव होना चाहिये , जिससे कर्मचारी का स्वास्थ्य ठीक रह सके और वह अपने कार्यो पर बेहतर ध्यान दे सके। इसके साथ ही उन्होंने कश्मीर घाटी में कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा पर चिन्ता जाहिर करते हुए तत्काल इसके निराकरण तथा उनकी सुरक्षा की प्रशासन से मांग की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए अथक प्रयास की जरूरत है , इसके लिए हमें युवाओं और महिलाओ को संगठन में विशेष स्थान देना होगा। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित युवा तथा महिला सम्मेलन को बहुत कामयाब बताया। केन्द्रीय अध्यक्ष ने चिकित्सा सेवाओं पर घोर निराशा व्यक्त करते हुए , इसके तत्काल निराकरण की प्रशासन से अपील की। इसके साथ ही केन्द्रीय अध्यक्ष ने सभी को अवगत कराया कि फेडरेशन तथा यूनियन के अथक प्रयास के कारण कैटरिंग को पुन: रेलवे में लाया जाना संभव हो सका है।

कारखाना मंडल द्वारा आयोजित नारदर्न रेलवेमेन्स यूनियन के इस 63वें अधिवेशन के खुले सत्र का उदघाटन करते हुए ऑल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन के अध्यक्ष , कामरेड उमराव मल पुरोहित ने कहा कि आज की परिस्थितियों में सबसे ज्यादा शोषण श्रमिकों का हो रहा है। इसकी मुख्य वजह यह है कि मजदूर आंदोलन बंट गया है । उन्होंने कहा कि मजदूरों का हक दिलाने के लिए सभी ट्रेड यूनियनों को एक साथ मिलकर श्रमिकों की लड़ाई लड़नी होगी तभी हम उनको , उनका हक दिला पायेगें। छठे वेतन आयोग की रिपोर्ट के लागू होने के करीब दो साल बाद भी , अभी तक रेल कर्मियों के सुविधा पास पर कोई निर्णय नही हो सका है, जिसका शीघ्र समाधान करने में फेडरेशन लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा संबधी रेलकर्मियो के स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति लेने पर उनके बच्चों को रेलवे में नौकरी दिलाने का निर्णय हो चुका है और जल्द ही इसके आदेश जारी किये जाने की संभावना है।

इसके पश्चात , एन आर एम यू के 63वे वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर विशेष तौर पर संकलित "नवचेतना" नामक स्मारिका का विमोचन कामरेड उमरावमल पूरोहित , अध्यक्ष ए आई आर एफ एवं उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री एस के बुदलाकोटी द्वारा संयुक्त रुप से किया गया।

खुले अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए ए आई आर एफ तथा एन आर एम यू के महामंत्री कामरेड शिव गोपाल मिश्र ने कारखाना मंडल द्वारा आयोजित खान–पान , रख –रखाव तथा इंतजामों की भूरि–भूरि प्रंशसा करते हुए इसके लिए उन्होंने कारखाना मंडल तथा लखनऊ मंडल को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। महामंत्री ने अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए कहा कि उत्तर रेलवे में संरक्षा कोटि के करीब 36 हजार पदों के रिक्त होने के बावजूद भी हर साल नई ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है जिससे संरक्षा खतरे में पड़ गई है। यह गंभीर चिंतन का विषय है । उन्होंने कहा कि यूनियन के विभिन्न स्तरों पर किये गये प्रयासों के बावजूद भी अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। रेल मंत्रियों द्वारा समय–समय पर विभिन्न स्तरों पर रेलों का निजीकरण न करने की सार्वजनिक घोषणा के बावजूद भी अनेक विभागीय कार्यो को आउटसोर्सिंग के नाम पर निजी हाथों में सौपने का कार्य पिछले दरवाजे से हो रहा है। उन्होंने बताया कि अनेक कार्य जैसे ब्रेकवान में लीजिंग , आरक्षण कार्य को निजी हाथों में सौपना , सफाई कार्य को ठेके पर देना तथा चिकित्सा विभाग में डाक्टरों एवं पैरा मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति भी ठेके पर की जा रही है। उन्होंने कहा कि रेल कर्मचारियों की समस्याओं के हल के लिए फेडरेशन तथा यूनियन कटिबद्ध है जिसके लिए मंडल स्तर से रेलवे बोर्ड स्तर तक दबाव बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि हम किसी भी कीमत पर कर्मचारियों के हाथ से कार्य को छीनने नहीं देंगे।

इस अवसर पर अधिवेशन में विशिष्ठ अतिथि के रुप में उपस्थित क्षेत्रीय विधायक श्री सुरेश तिवारी , उत्तर रेलवे के मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री एस के सेठ, उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक श्री एस के बुदलाकोटी , एन ई रेलवे मजदूर यूनियन के महामंत्री श्री के एल गुप्ता , दक्षिण रेलवे मजदूर यूनियन के महामंत्री एन कन्हैया , अध्यक्ष कामरेड राजा श्रीधर एस. डब्ल्यू आर. एम. यू. के महामंत्री कामरेड ए. एम .डीक्रुज , आई टी एफ के एशिया पैशिफिक रीजन के सचिव श्री महेन्द्र शर्मा , हिन्द मजदूर सभा की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री चम्पा वर्मा ने अपने मूल्यवान विचार प्रस्तुत किये।

इसके उपरान्त 31 अगस्त 2010 को रेल की सेवा से सेवा निवृत्ति होने पर ए आई आर एफ तथा एन आर एम यू के महामंत्री कामरेड शिव गोपाल मिश्र को उनकी सेवा निवृत्ति पर भव्य विदाई कार्यक्रम कारखाना मंडल द्वारा आयोजित किया गया जिसमें उनके साथ उनके परिवार को विभिन्न उपहार , पुष्प माला तथा शाल भेंटकर कारखाना मंडल के साथ–साथ अन्य क्षेत्रीय रेलों के पदाधिकारियों , अधिकारियों एवं विभिन्न मंडलो द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रतिनिधि सत्र

दिनांक 1 सितम्बर 2010 को प्रतिनिधि सत्र का शुभारम्भ सुबह 10.30 बजे टी एन बाजपेई नगर , में अभूतपूर्व रुप से सजाये गये पंडाल में सम्मेलन स्थल पर हुआ। इस सत्र में यूनियन के लगभग दो हजार कार्यकर्ता , सभी मंडलो एवं शाखाओं के पदाधिकारियों एवं केन्द्रीय नेताओं के साथ उपस्थित थे , जिसकी अध्यक्षता यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष कामरेड हरभजन सिंह सिद्धू ने की।

प्रतिनिधि सत्र में उपस्थित सभी केन्द्रीय , मंडल एवं शाखाओं के पदाधिकारियों एवं अन्य कार्यकर्ताओं का हार्दिक अभिनन्दन एवं स्वागत करते हुए यूनियन के अध्यक्ष ने अपने संक्षिप्त भाषण में भारत सरकार की उदारीकरण एवं वैश्वीकरण के परिपेक्ष्य में चलाई जा रही कर्मचारी विरोधी नीतियों की कटु आलोचना की। उन्होने आगे कहा कि 1991 के बाद से हमारे देश की सरकार विश्व बैंक एवं अर्न्तराष्ट्रीय मुद्रा कोष के दबाव में ऐसी आर्थिक एवं औद्योगिक नीतियों पर चल रही है जिसके चलते संगठित क्षेत्र के मजदूरों के हाथ से रोजगार छीनने का कार्य हो रहा है। बेरोजगारी

दिनो–दिन बढ़ रही है, मंहगाई पर अंकुश नही लग पा रहा है जिसके चलते गरीब और गरीब हो रहा है और कतिपय अभिजात्य वर्ग की पूंजी में बेतहासा वृद्धि हो रही है। श्री सिद्धू ने कहा कि ये नीतियॉं न केवल रेल कर्मचारियों के लिए बल्कि पूरे देश की जनता के लिए घातक है और संगठित मजदूर शक्ति ही इनका मुकाबला कर सकती है। उन्होने आह्वान किया कि प्रत्येक स्तर पर यूनियन को मजबूत किया जाना चाहिये ताकि कर्मचारियों के हितों की रक्षा हो सके और असंगठित मजदूर भी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाये जा सके।

अध्यक्ष जी के उद्‌बोधन के बाद यूनियन के महामंत्री कामरेड शिव गोपाल मिश्र ने पिछली अवधि में दिवंगत हुए समाज के प्रतिष्ठित जनों, यूनियन के नेताओं, उनके सम्बन्धियों एवं साथ ही रेल दुर्घटनाओं एवं अन्य प्राकृतिक आपदाओं में काल–कवलित हुए व्यक्तियों के प्रति शोंक संवेदना प्रस्ताव प्रस्तुत किया और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शान्ति और उनके परिवारों को यह दु:ख वहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए 2 मिनट का मौन रखा गया।

अध्यक्ष जी द्वारा आमंत्रित किये जाने पर महामंत्री ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और लगभग ढ़ाई घन्टे के भाषण में उन तमाम मुद्दो एवं परिस्थितियों का विवरण प्रस्तुत किया जो आज के समय में प्रासंगिक है। महामंत्री ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए याद दिलाया कि यदि ए आई आर एफ ने पहल नही की होती तो छठे वेतन आयोग का लाभ जो केवल रेल कर्मचारी एवं केन्द्रीय कर्मचारी को ही नही मिला है बल्कि अन्य राज्य सरकार तथा अर्ध –शासकीय संस्थानों के कर्मचारियों को भी मिला है, वह संभव नही हो सकता था।

महामंत्री ने अपने वक्तव्य में गलोबल वार्मिंग, आउटसोर्सिंग, निजीकरण, वेतन विसंगतियॉं, कैडर रिस्ट्रक्चरिंग, संरक्षा आधारित स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति योजना, पास की सुविधा, रेल कर्मचारियों के बच्चों को रेल मे नौकरी पर प्राथमिकता दिये जाने, रेल कर्मियों को वर्दी एवं धुलाई भत्ता, एम ए सी पी से उत्पन्न विसंगतियां, प्रशिक्षण संस्थानों की दुर्दशा लोको तथा ट्रैफिक रनिंग कर्मचारियों के वेतन मांगो, रनिंग भत्ते, कार्य के घण्टे आदि मुद्‌दों पर विस्तार से चर्चा की एवं यूनियन तथा ए आई आर एफ द्वारा इनके समाधान की दिशा में किये जा रहे गंभीर प्रयासों की जानकारी दी। इसके साथ ही महामंत्री ने संगठन की सदस्यता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया और मण्डलों तथा शाखाओं से सदस्यता बढ़ाने को आह्वान करते हुए कहा कि यूनियन में महिलाओं तथा युवकों की संख्या बढ़ी है जो अवश्य ही हमारी संगठन की लोकप्रियता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि गलती करने वाले कार्यकर्ताओं तथा पदाधिकारियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जायेगा क्योंकि संगठन से बढ़कर कुछ नहीं है। मंहगाई के मुद्‌दे पर महामंत्री ने कहा कि मंहगाई दिन प्रतिदिन बढती जा रही है। कर्मचारियों का जीना दुभर हो गया है। उन्होंने कहा कि अगर देश की मजदूरों की हालात को बदलना है तो हमें एकता बनाकर लड़ना होगा। महामंत्री ने कश्मीर की परिस्थितियों को विस्तार से जिक्र करते हुए, उत्पन्न हुये हालात को परिवहन लाबी एवं देश विरोधी तत्वों की कार्यवाही बताया। उन्होने कहा कि महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे से बात कर फिलहाल घाटी में कार्यरत रेल कर्मियों को वापस बुला लिया गया है पर हम चाहते है कि घाटी में जल्द ही अमन की बहाली हो और हम वहां रेल चलाये। उन्होने यह भी बताया कि कश्मीर घाटी में कार्यरत कर्मचारियों को अपने पहले वाले तैनाती के स्थल पर आवास रोके रखने के आदेश हो गये है। महामंत्री ने बताया कि फेडरेशन तथा यूनियन के प्रयास द्वारा 1.1.2006 से छठे वेतन आयोग लागू होने के बाद कर्मचारियों को मिलने वाले एरियर के भुगतान पर जो इनकमटैक्स की कटौती गई थी वह गलत थी क्योकि एरियर का भुगतान तीन सालों पर जोडकर दिया गया था, वह धनराशि एक साल की नही थी। अत: इनकमटैक्स की गई कटौती को 10 ई का फार्म कर्मचारियों से भरवाकर 1 साल पर इनकमटैक्स कटौती कराई गई और अतिरिक्त धनराशि को कर्मचारियों को वापस करवाने का निर्णय कराया गया जिसका पालन पूरे तौर पर नही हो पा रहा है। उन्होंने अपने भाषण में श्रम कानूनों का सही ढंग से पालन न करना, श्रमिकों के कार्य– प्रणाली में सुधार तथा श्रमिकों का शोषण न करने जैसे मुद्‌दों पर विशेष प्रतिकिया जाहिर किया। महामंत्री ने इस अधिवेशन में सभी से अपील किया कि ए आई आई एफ तथा एन आर एम यू द्वारा की गई उपलब्धियों को ऊपर से निचले स्तर तक प्रत्येक व्यक्ति तक प्रचार एवं प्रसार माध्यम से

पहुचानें का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फेडरेशन रेल कर्मचारियों के एक बच्चे को रेलवे में नौकरी दिलाने के लिए प्रयासरत है और संरक्षा कोटि के कर्मचारी स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति लेकर अपने बच्चे को नौकरी दिला सकते है , इसका आदेश हो रहा है। महामंत्री ने कहा कि "ऐक्ट अप्रेन्टिसेज" कारखानों के अलावा ओपेन लाइनों में भी भर्ती हो , का प्रयास जारी है। महामंत्री ने महिलाओं तथा युवाओं को संगठन से जोड़ने पर भी बल दिया। उन्होंने रनिंग स्टाफ, गेटमैन के साथ–साथ अन्य संरक्षा कोटियों के कार्यो के घंटों की समीक्षा हेतु गठित उच्च –स्तरीय कमेटी के बारे में भी विस्तार से बताया। महामंत्री ने 7 सितम्बर 2010 को महंगाई , बेरोजगारी ,श्रम–कानूनों को लागू न किये जाने और सरकारी उपकमों को बेचे जाने के खिलाफ हिन्द मजदूर सभा सहित सभी श्रम संगठनों द्वारा लिए गयें एक दिन के औद्योगिक बन्द एवं हड़ताल के निर्णय पर सभी से जगह–जगह पर धरना एवं प्रर्दशन आयोजित करने का आह्वान किया।

यूनियन के केन्द्रीय कोषाध्यक्ष के अस्वस्थ होने के कारण समीक्षाधीन अवधि का यूनियन का लेखा–जोखा का विवरण भी महामंत्री द्वारा अधिवेशन में प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही हिन्द मजदूर सभा के भवन निर्माण के लिए एन आर एम यू द्वारा हिन्द मजदूर सभा को दस लाख (10,000,00) रुपये प्रदान करने तथा मुरादाबाद में जोनल कामर्शियल स्टाफ कान्फ्रेंन्स के लिए मुरादाबाद मंडल को एक लाख (1,000,00) रुपये की स्पेशल लेवी एकत्र करने की स्वीकृति अधिवेशन द्वारा प्रदान की गई।

इसके उपरान्त अध्यक्ष महोदय ने हेडक्वार्टर के मंडलमंत्री कामरेड एस के त्यागी को विभिन्न मांगो से सम्बन्धित मसौदा प्रस्तावों को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। श्री त्यागी ने प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए कहा कि एन आर एम यू का यह 63वॉं वार्षिक अधिवेशन जो आजादी के 63वें वर्ष में सम्पन्न हो रहा है ,यह बड़े गौरव की बात है। उन्होंने एम. ए. सी. पी. से उत्पन्न विषंगतियों तथा पास व अन्य आदेशों में हो रहे विलंब पर कहा कि अगर फेडरेशन आदेश दे तो तुरन्त रेल का चक्का जाम किया जा सकता है। कामरेड त्यागी ने कश्मीर घाटी में कार्यरत कर्मचारियों पर हुए अत्याचारों की घोर निंदा करते हुए , उनके लिए व्यापक सुरक्षा की मांग की। प्रस्तावों का समर्थन करते हुए फिरोजपुर के मंडलमंत्री कामरेड दलजीत सिंह ने अपने वक्तव्य में आज की गंभीर परिस्थितियों का जिक करते हुए भारत सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों की कड़ें शब्दो में निन्दा की और यूनियनों की एक जूटता पर बल दिया। उन्होने कश्मीर घाटी में रेल संचालन में कार्यरत रेल कर्मचारियों की दुर्दशा और त्रासदी का वर्णन करते हुए रेल प्रशासन द्वारा इस दिशा में ढिलाई बरते जाने की घोर भर्त्सना की और आगाह किया कि नारदर्न रेलवेमेन्स यूनियन ऐसी परिस्थिति में चक्का जाम करने से भी गुरेज नही करेगी।

इस अधिवेशन को मंडलमंत्री अम्बाला श्री सी एस बाजवा , दिल्ली मंडल के अध्यक्ष श्री आर के गौड़ , मुरादाबाद के मंडलमंत्री श्री डी एन चौबे, लखनऊ मंडल के मंडलमंत्री श्री आर के पाण्डेय , सेतु मंडल के मंडलमंत्री श्री आर एन बाजपेई , लेखा मंडल के मंडलमंत्री श्री राकेश गुप्ता सहित अन्य वक्ताओं ने भी सम्बोधित किया और अपने–अपने मंडलों की गंभीर समस्याओं की ओर केन्द्रीय नेताओं का ध्यान आकर्षित किया। सभी वक्ताओं ने महामंत्री की रिपोर्ट एवं मसौदा प्रस्ताओं का पूर्ण समर्थन करते हुए कारखाना मंडल के आयोजकों का तहे दिल से अभूतपूर्ण इंतजाम करने के लिए शुकिया अदा किया।

अध्यक्ष जी ने महामंत्री की रिपोर्ट एवं आय व्यय का लेखा–जोखा तथा अधिवेशन में प्रस्तुत मसौदा प्रस्तावों पर प्रतिनिधियों के विचार देने का आग्रह किया और पुरे हाउस द्वारा महामंत्री की रिपोर्ट एवं लेखा –जोखा , सस्तुतियां तथा कुछ संसोधन के साथ मसौदा प्रस्ताओं को सर्व –सम्मति से पारित घोषित किया।

इसके पश्चात अगले तीन वर्षो के लिए केन्द्रीय पदाधिकारियों की चुनाव की प्रकिया प्रारंभ हुई और दिल्ली मंडल के मंडल अध्यक्ष कामरेड आर के गौड़ द्वारा केन्द्रीय पदाधिकारी की सभी पदों के लिए एकमत सूची प्रस्तुत की गई

जिसका समर्थन लेखा मंडल के मंडल अध्यक्ष कामरेड आर. पी. सिंह ने किया। चुनाव अधिकारी कामरेड आर के गौड़ द्वारा उपस्थित प्रतिनिधियों से प्रस्तावित केन्द्रीय पदाधिकारियों के खिलाफ कोई नाम देने का आह्वान किया परन्तु किसी भी पद के लिए कोई अन्य नाम प्रस्तुत नही किया गया। सभी उपस्थित प्रतिनिधियो द्वारा हाथ उठाकर कामरेड आर के गौड़ द्वारा प्रस्तुत की गई सूची को सर्वसम्मति से चुना हुआ घोषित किया गया जिनकी सूची नीचे दी जा रही है।

इस अधिवेशन द्वारा निम्नलिखित केन्द्रीय पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से चुना गया।

अध्यक्ष

श्री हरभजन सिंह सिद्धू , मुख्य कार्यालय अधीक्षक /फयूल /नई दिल्ली

उपाध्यक्ष

श्री के एन शर्मा , डिप्टी सी आई टी /मुरादाबाद
श्री जसमंगल सिंह, हेड क्लर्क, धालीवाल
श्री सुभाष शर्मा , कार्यालय अधीक्षक –II /अम्बाला
श्री एस के त्यागी , सी. एम. एस. –1/बडौदा हाउस नई दिल्ली
श्री राकेश गुप्ता , एस. एस. ओ. /लेखा/ स्टेट इन्ट्री रोड़ ,नई दिल्ली
श्री आर एन बाजपेई , कार्यालय अधीक्षक /सेतु/लखनऊ
श्री कृपाल सिंह ,एम. सी. एम. , अमृतसर कारखाना
श्रीमती हरजीत कौर ,मैट्रन /मंडलीय चिकित्सालय /लखनऊ

महामंत्री

श्री शिव गोपाल मिश्र (आनरेरी मेम्बर)

सहा महामंत्री

श्री एस के राना , एस. एस. ई./टी. एम. सी. आफिस/नई दिल्ली
श्री आर पी सिंह , गार्ड /नई दिल्ली
श्री आर के पाण्डेय , एस. ई/पी वे/लखनऊ
श्री डी एन चौबे , एस डब्ल्यू एल आई/डी आर एम कार्यालय/मुरादाबाद
श्री दलजीत सिंह , सहा. ड्राईवर /लुधियाना
श्री ए के यादव , एस एस ई, सी पी एस/ चारबाग /लखनऊ,
श्री सी एस बाजवा , सी. आई टी. /अम्बाला

कोषाध्यक्ष

श्री वाई के शर्मा , मंडलीय कैशियर /दिल्ली

अन्त में कारखाना मंडल के मंडलमंत्री कामरेड अशोक यादव ने आयोजन के सफल समापन के लिए कार्यकताओं को धन्यवाद किया।

अन्त में अध्यक्ष जी द्वारा धन्यवाद देते हुए सधन्यवाद सभा का विसर्जन किया गया।

आपका साथी
शिवगोपाल मिश्र
(शिव गोपाल मिश्र)
महामंत्री

प्रतिलिपि– *सभी केन्द्रीय पदाधिकारी , मण्डल मंत्री , शाखा मंत्री /एन आर एम यू को प्रेषित*
38/2010 — 10 सितम्बर 2010